एलाइंस एअर
ALLIANCE AIR
Connecting India

''आवाहन'' (उन्मुक्त उड़ान का)
पखवाड़ा–विशेषांक

एलाइंस एअर ई–राजभाषा पत्रिका

आंतरिक परिचालन हेतु

राजभाषा विभाग
एलाइंस एअर

मुख्य कार्यपालक अधिकारी की कलम से

प्रिय साथियों,

''देश को एक सूत्र में पिरोने वाली भाषा हिन्दी ही हो सकती है।'' – श्री लाल बहादुर शास्त्री

हिन्दी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं!

हिन्दी हमारे देश की सबसे समर्थ सम्पर्क भाषा है। हिन्दी के इसी महत्व को देखते हुए भारतीय संविधान विनिर्माताओं ने इसे 14 सितम्बर, 1949 को संघ सरकार की राजभाषा का दर्जा दिया। हिन्दी केवल राष्ट्र भाषा ही नहीं है बल्कि विश्व भाषा बन रही है। हमारे देश में हिन्दी ऐसी भाषा है जो सर्वाधिक लोगों द्वारा बोली और समझी जाती है। कोई भी राष्ट्र अपने राष्ट्र को राष्ट्रभाषा के बिना परिभाषित नहीं कर सकता है। हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी पिछले कई वर्षों से अपना एक अलग ही वर्चस्व बनाए हुए है। हिन्दी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाने में सक्षम हो गई है।

एलाइंस एअर अपने संवैधानिक दायित्वों के साथ–साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने में सदैव अग्रणी रहा है। इसी उद्देश्य से एलाइंस एअर में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है।

हिन्दी दिवस के अवसर पर मैं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह करूंगा कि वे राजभाषा हिन्दी के प्रति अपने संवैधानिक दायित्व को निभाने के साथ–साथ सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने कार्यालय कार्य में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से करेंगे और हम अपने प्रयासों से गृह मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे।

आइए, राजभाषा का प्रयोग गर्व से करें।

जय हिन्द!

(विनीत सूद)
मुख्य कायपालक अधिकारी

राजभाषा अधिकारी की कलम से

"हिन्दी देश की एकता की कड़ी है"– डॉ जाकिर हुसैन

हिन्दी दिवस के अवसर पर समस्त एलाइंस परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं।

संविधान सभा द्वारा 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा के रुप में अंगीकार किया गया और यह निर्णय लिया गया कि हिन्दी केन्द्र सरकार की अधिकारिक भाषा होगी, जिससे हमारे संवैधानिक व प्रशासनिक उत्तरदायित्व और अधिक बढ़ गए। भारत वर्ष में 14 सितम्बर **'हिन्दी दिवस'** के रुप में मनाया जाता है। आज हिन्दी का महत्व राजभाषा, संपर्क भाषा और विश्वभाषा के रुप में बढ़ रहा है। कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग पहले की अपेक्षा काफी गुना बढ़ गया है। एलाइंस एअर में भी लगातार हिन्दी के कामकाज में बढ़ोत्तरी हो रही है, जो प्रशंसनीय है। हमें इसे और अधिक बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए व मूल कार्य हिन्दी में करना चाहिए।

एलाइंस एअर मुख्यालय में सितम्बर माह में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। एलाइंस एअर में आयोजित किए जाने वाले प्रतियोगिताओं में आप सभी ने बढ–चढ़ कर भाग लिया और इन आयोजनों को सफल बनाया। इस तरह के आयोजन हिन्दी को और अधिक लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुझे आशा है कि इस प्रकार के आयोजनों से हिन्दी के प्रचार–प्रसार में वृद्धि होगी।

जय हिन्द!

(निर्भय गुप्ता)
कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी

हिन्दी पखवाड़ा – 2021
हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता– पुरस्कृत प्रतिभागी

हिन्दी पखवाड़े के दौरान दिनांक 07/09/2021 को एलाइंस एअर, मुख्यालय में हिन्दी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिन्दी निबंध प्रतियोगिता एक लेखन प्रतियोगिता थी जिसमें 27 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में दो विषय दिए गए जिसमें से एक विषय पर प्रतिभागियों को निबंध लिखना था। निबंध के विषय इस प्रकार हैः–

1. राष्ट्र निर्माण में नैतिक मूल्यों का महत्व
2. कोरोना प्रसार में सामाजिक अनुशासनहीनता

प्रथम पुरस्कार
सुश्री कोमल कादयान
उप इंजीनियर (इंजी.)

द्वितीय पुरस्कार
श्री जितेन्द्र सिंह
उप इंजीनियर (इंजी.)

तृतीय पुरस्कार
श्री शारदेन्दु मिश्रा
तकनीकी सहायक (उड़ान संरक्षा)

प्रोत्साहन पुरस्कार
श्री अभिषेक फिलेमोन
इंजीनियर (इंजी.)

प्रोत्साहन पुरस्कार
सुश्री संजीवनी ऋषि
उप प्रबंधक (वित्त)

हिन्दी में पत्राचार हो, हिन्दी में हर व्यवहार हो।
बोलचाल में हिन्दी हो, अभिव्यक्ति का आधार हो।।

हिन्दी पखवाड़ा – 2021
पुरस्कृत कविता पाठ प्रतिभागी

प्रथम पुरस्कार

तो सड़क पर एक सरकारी मुलजिम की किसी
भले आदमी से टक्कर हो जाती है, तो वो क्षमा
माँगते हुए कहता है,

अरे भई, क्षमा करना, मैं एक सरकारी नौकर हूँ।
मुझे क्षमा करना, मैं एक सरकारी नौकर हूँ।
इलाज का खर्चा ना हो जाए कहीं.
इसलिए सम्भलकर खाता ठोकर हूँ।
अरे भई, क्षमा करना, मैं एक सरकारी नौकर हूँ।

सुबह–सुबह निकलता हूँ, मैं घर से बन ठन कर
पड़ोसियों के सामने चलता हूँ मैं पूरा तन कर,
दफ्तर पहुँचते–पहुँचते मैं नौकर बन जाता हूँ साहब
कंधे झुकते जाते हैं, मेरे हालातों के हिसाब से
मुस्कुराता रहता मैं दिन भर अंदर से रोता हूँ,
अरे भई, क्षमा करना, मैं एक सरकारी नौकर हूँ।

धर्मपत्नी जी आजकल नाम में बहुत "जी" लगाने लगी है
ये अत्यधिक प्रेम का कारण
बस तनख्वाह की तारीख पास आने लगी है
एक ही काम कर करके दिन से करता शाम हूँ,
रिश्तों में उलझा हूँ और हर महीने किश्तों का गुलाम हूँ
बड़े बड़े सपने संजोकर रोज उठता मैं सोकर हूँ
अरे भई, क्षमा करना, मैं एक सरकारी नौकर हूँ।

सरकारी बाबू कहकर स्वागत होता है ससुराल में
तो गर्व से आ जाता है बदलाव थोड़ा मेरी भी चाल ढाल में
फिर घर आकर देखता हूँ जब दीवार में लगी सीलन को

धरती पर उतर आता हूँ वापस और कोस लेता हूँ जीवन को
दो पैंट और तीन कमीज को बार बार पहन लेता धोकर हूँ
अरे भई, क्षमा करना, मैं एक सरकारी नौकर हूँ।

दिन भर संघर्ष के बाद मैं जब घर को आता हूँ
परिवार को हँसता देखकर थकान भूल सी जाता हूँ
छोटी सी दुनिया है चाहे हम मध्यम वर्ग दम्पत्ति हैं
छोटी छोटी बातों में खुशियाँ ढूँढना, यही तो मेरी अपरम्पार सम्पत्ति हैं
तनख्वाह वाले दिन शाही पनीर का करता ऑर्डर हूँ
अरे भई, क्षमा करना, मैं एक सरकारी नौकर हूँ।

नितीश भारद्वाज
उप प्रबंधक, वित्त

द्वितीय पुरस्कार

संघर्ष कर

जीवन में कठिनाईयां आएंगी
ये तुझे संघर्ष के लिए उकसाएंगी
उठ खड़ा हो जा संघर्ष कर
अपनी शर्तों पर जीवन जीने से मत डर।

जो नदियों में गोता लगाते हैं मोती वो ही पाते हैं
आलसी और निठल्ले किनारे खड़े रह जाते हैं।
संघर्ष जितना बड़ा होगा जीत उतनी शानदार होगी
तेरे जीवन की हर उम्मीद उसमें पूरी होगी।

आज तू संघर्ष कर वक्त तेरा होगा
रात कितनी भी घनी हो, कल फिर सवेरा होगा
उठ खड़ा हो नाम बना, जीवन को संग्राम बना
बाधाओं को गले लगाले तू, उनको जीवन का हार बना।

नित नये सपने देखो, आकाश छूने का ख्वाब रखो
चाहे कितनी भी ठोकर लगे फिर से उठने का साहस करो।
गिर कर भी जो संभलता है, संभल कर फिर चलता है
जीत उसी की होती है, जो संघर्षरत हमेशा रहता है।

इसलिए उठो, जागो, संघर्ष करो,
जब तक न सफल हो जाओ मत विश्राम करो।

महेन्द्र सिंह गुसाईं
सहायक प्रबंधक, वित्त

<u>तृतीय पुरस्कार</u>

हे नारी तुझे मेरा नमन है

नारी क्या तू सच में अबला है तो फिर तू कैसे
एक बेटी, एक बहू, एक पत्नी, और एक मां होने का
कर्तव्य निभा पाती है। कैसे तू अपना पीहर छोड़
ससुराल को अपना बना लेती है कैसे तू अपने
सुख दुःख इक्ष्छाओं को औरो के लिए सूली पर
चढ़ा देती है कैसे तू नौ महिने गर्भ में अपने शीशु को
सींचती है।।

हे नारी कौन कहता है कि तू अबला है अगर तू
अबला होती तो कैसे अपनों पर आई मुसीबत का
डटकर सामना करती कैसे अपने मातृत्व से सभी
का पोषण करती कैसे दूसरों की खुशी, उनका दर्द
खुद महसूस कर पाती कैसे अपना सर्वस्व गैरो
पर न्यौछावर करती।।

हे नारी शक्ति है तू उर्जा है, तू ताप है जो
सभी विपदाओं का नाश करती जो अपने
शत्रुओं का संहार करती।।

हे नारी तू हिम है, तू शीतल जल है, तू ठंडी हवा
है, जो अपने सुख की छाव में सभी को रखती
और दर्द हो अपनों को तो ढाल बन सब सहती।।

हे नारी कौन कहता है कि तू अवला है
तू श्रदा है तू त्याग है तू धैर्य है
तेरा ऋण न कोई चुका सकता है
तेरे चरणों की धूल नतमस्तक है
हे नारी तुझे मेरा शत–शत नमन है।।

सपना
वरि. पर्यवेक्षक, प्रचालन

<u>प्रोत्साहन पुरस्कार</u>

'मातृत्व'

जिस दिन से नन्ही सी जान कोख में आती है,
एक खुशनसीब औरत माँ बन जाती है।

अभी तो एहसास भी नही हो पाता, उसे नई जान का खास,
कि वो अपने ख्यालों में गुम, रखने लगती है
अपने नन्हे से कई आस।

उसका जी तो चाहता है, कि मैं खुशी से झूम उठू,
पर ध्यान उस नन्हे का आते ही, सोचती हूं
अरे नहीं अभी कुछ महीनों और रुकूं।

मन मचलता है उसका, अपने पसंदीदा व्यंजन खाने का,
पर रह जाती है बेचारी सब्र कर, नन्ही जान की खातिर और
समझाती है खुद को, अपना मन मारने का।

उसके खून का एक–एक कतरा जब नन्हीं सी जान में जाता है,
खुशी के मारे उस पगली का रोम–रोम खिल जाता है।

तरह–तरह की हलचल उदर में होने पर,
दर्द से कराहती हुई भी मुस्कान ले आती है वो अपने चेहरे पर।

रातों की नींदें और दिन का चैन खोती है वो माँ,
सीने में जलन और पेट में लात खाती है वो माँ,
इतना सब बर्दाश्त करे जो, जी हां कहलाती है वो माँ।

अपने शरीर से एक नई जिंदगी को जन्म देती है,
प्रसव पीड़ा झेल कर भी वो मुस्कुराती ही रहती है,
माँ बनने की खुशी, जी हां माँ बनने की खुशी ऐसी ही होती है।।

कोमल कादियान
उप अभियंता

<u>प्रोत्साहन पुरस्कार</u>

हिन्दी भारत की शान

भारत देश की भाषा हिन्दी,
हम सब की आशा हिन्दी।
बुझते दीप जलाती हिन्दी,
मुख पे रौनक लाती हिन्दी।

देश की संस्कृति जीवित रखने का सरल उपाय है हिन्दी,
आदर और सम्मान की बोली हम सबको सिखलायें हिन्दी।
हर भाषा का महत्व अपना पर हिन्दी सबसे खास है,
हिन्दी भारत का गौरव है हर भारतीय का विश्वास है।

ना शर्म करो तुम जब बोलो हिन्दी,
गर्व करो जब बोलो हिन्दी।
भर दो कण–कण में हिन्दी को,
बोलो हर क्षण में हिन्दी को।

दुनिया को दिखला दो कि हिन्दी हिन्दुस्तान का मान है,
हम भारतीयों की संस्कृति ही भारत की पहचान है।
कोई भाषा बुरी नहीं है,
पर तुम हिन्दी का सम्मान करो।

जो भारत देश के वासी हो तो हिन्दी का गुणगान करो,
पर जाओ विदेशी सैरों पर तो हिन्दी का प्रचार करो।
कोई पाठ पढ़ाए भाषा का तो तुम भी बातें चार करों,
मां भारती के श्रृंगार में हिन्दी उसके मस्तक की बिन्दी है,
चाहे हर राज्य की अलग बोली हो,
पर मेरी राष्ट्रीय भाषा हिन्दी है।

अनुराग त्रिपाठी
इंजीनियर

हिन्दी पखवाड़ा रिपोर्ट

एलाइंस एअर में दिनांक 01 सितम्बर, 2021 से 15 सितम्बर, 2021 तक हिन्दी पखवाड़े का ऑन लाइन आयोजन किया गया। पखवाड़ें के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

दिनांक 07/09/2021 को हिन्दी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिन्दी निबंध प्रतियोगिता एक लेखन प्रतियोगिता थी जिसमें 27 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में दो विषय दिए गए जिसमें से एक विषय पर प्रतिभागियों को निबंध लिखना था।

राष्ट्र निर्माण में नैतिक मूल्यों का महत्व
कोरोना प्रसार में सामाजिक अनुशासनहीनता

दिनांक 14/09/2021 को कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 18 प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने इन प्रतियोगिताओं का स्वागत किया और ऑनलाइन होने वाली इन प्रतियोगिताओं को सराहनीय बताया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी, एएएल श्री विनीत सूद द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2021 को सभी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप प्रमाणपत्र व चैक प्रदान किए गए।

1. प्रथम पुरस्कार 5,000.00 रु.
2. द्वितीय पुरस्कार 4,000.00 रु.
3. तृतीय पुरस्कार 3,000.00 रु.
4. प्रोत्साहन पुरस्कार 2,000.00 रु. (प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए दो)

14 सितम्बर, हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, माननीय नागर विमानन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सचिव नागर विमानन मंत्रालय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एअर इंडिया श्री राजीव बंसल, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, एएएल श्री विनीत सूद व कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी श्री निर्भय गुप्ता द्वारा जारी संदेशों को सभी विभागाध्यक्षों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के बीच व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु प्रेषित किया गया व राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा प्रतिज्ञा को भी हिन्दी दिवस के उपलक्ष में पढ़ा गया।

प्रतिभागियों की सक्रिय प्रतिभागिता के कारण हिन्दी पखवाड़े का कार्यक्रम सफल रहा व सभी वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा इसकी सराहना की गई।

वार्षिक कार्यक्रम 2021–22

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021–22 के वार्षिक कार्यक्रम के तहत केन्द्र सरकार के अधीनस्थ कार्यालयों हेतु निर्धारित लक्ष्य

क्र सं.	कार्य विवरण	क–क्षेत्र	ख–क्षेत्र	ग–क्षेत्र
1.	हिन्दी में मूल पत्राचार (ई मेल सहित)	100%	90%	55%
2.	हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिन्दी में दिया जाना	100%	100%	100%
3.	हिन्दी में टिप्पण	75%	50%	30%
4.	हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षण कार्य{म	70%	60%	30%
5.	हिन्दी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
6.	हिन्दी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
7.	हिन्दी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिन्दी ई–पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिन्दी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय	50%	50%	50%
10.	कम्प्यूटर सहित सभी प्रकार के इलैक्ट्रानिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद	100%	100%	100%
11.	वेबसाइट	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत) (ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम) (25% न्यूनतम)	25% (न्यूनतम) 25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम) 25% (न्यूनतम)
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)		
15.	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिन्दी अनुवाद	100%		

मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री विनीत सूद सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए

“‘यह महत्वपूर्ण नहीं है कि
आप सफल हैं या नहीं,
महत्वपूर्ण यह है कि
आप उतने सफल हुए या नहीं,
जितनी आपके भीतर क्षमता थी...

कृपया अपनी प्रतिक्रिया से अवश्य अवगत कराए
राजभाषा विभाग, एलाइंस एअर, मुख्यालय

प्रस्तुतिकरण- विनोद चन्द्र सनवाल
कमला मेहरा
रचना पुण्डीर

सम्पर्क - 011-25674178
ई मेल- rajbhasha@allianceair.in